Guruvarashtakam

॥ गुरुवरषट्कम् ॥

मुमुक्षुहृदयविराजिताय अखण्डार्थतत्त्वप्रबोधकाय ।
दक्षिणामूर्तिरूपभूचराय नमो दयानन्दगुरुवराय ॥ १ ॥

आर्षतत्त्वोपदेशनिरताय आर्षकलाभिज्ञसम्मानदाय ।
आर्षविद्याकुलप्रवर्धकाय नमो दयानन्दगुरुवराय ॥ २ ॥

सनातनधर्मप्रवर्तकाय सुविज्ञानवैराग्यविग्रहाय ।
शान्ताय विश्वजनवन्दिताय नमो दयानन्दगुरुवराय ॥ ३ ॥

अपारकरुणासिन्धुरूपाय यतिश्रेष्ठाय विजितेन्द्रियाय ।
धीराय दीनजनशरण्याय नमो दयानन्दगुरुवराय ॥ ४ ॥

बहुजन्मकृतपुण्यलभ्याय शिष्यवात्सल्यादिगुणोज्ज्वलाय ।
अहिंसादिसद्गुणपोषकाय नमो दयानन्दगुरुवराय ॥ ५ ॥

ईश्वरनियतिपरायणाय श्रुतिसारदोहविशारदाय ।
पराय वाग्भूषणभूषिताय नमो दयानन्दगुरुवराय ॥ ६ ॥

—— **Swamini Vidyananda Saraswati**
Arsha Parampara, Madurai